क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 182, गुरुवार, 26 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मॉब अटैक: मरी भैंस ले जा रहे युवकों को घसीट-घसीटकर पीटा, पुलिस ने बचाई जान

हाथरस (एजेंसी)। राजस्थान में गाय रक्षकों द्वारा किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत पर भारी प्रतिक्रिया के बीच बुधवार तड़के उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में भीड़ ने एक मृत भैंस को ले जा रहे चार लोगों पर हमला कर दिया। हालांकि, इस बार गनीमत यह रही कि पुलिस ने समय रहते मौके पर पहुंचकर चारों युवकों की जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, हाथरस जिले में एक मृत भैंस को ले जा रहे चार कथित पशु तस्करों को भीड़ ने बुधवार तड़के पहले तो पीट-पीटकर अधमरा कर दिया और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। यह घटना दिल्ली से लगभग 200 किलोमीटर दूर हाथरस जिले के नगला मांधाता गांव की है। बताया जा रहा है कि भैंस चोरी के आरोपी इन लोगों को पुलिस कर्मियों ने उग्र भीड़ से बड़ी मुश्किल से बचाया। पुलिस कर्मी करीब आधा घंटे तक भीड़ से कानून अपने हाथ में न लेने की अपील करते रहे तब जाकर भीड़ ने उन्हें पुलिस के हवाले किया। गांव वालों का आरोप है कि तस्कर पिकअप वैन से मृत भैंस को लेकर जा रहे थे और उन्होंने भैंस को जहर देकर मारा था। वहीं, भैंस मालिक का भी आरोप है कि पशु तस्करों ने उसकी भैंस को जहर का इंजेक्शन दिया था। हसायन थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार ने बताया जैसे ही पुलिस को इसकी जानकारी मिली पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर भीड़ के हाथों पिटाई का शिकार हो रहे कथित तस्करों को किसी तरह बचाया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है अगर गिरफ्तार किए गए चारों लोग पशु तस्कर पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सामूहकि मुंडन: शिक्षामित्रों ने बाल मुंडवाकर किया प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। आम शिक्षक/शिक्षामित्र एसोसिएशन के बैनर तले नियुक्ति की मांग को लेकर इकोगार्डन, आलमबाग में 69 दिन से धरना दे रहे शिक्षामित्र बुधवार को एक बार फिर उग्र हो गए। लगातार सरकार की उदासीनता से खफा एसोसिएशन की अध्यक्ष उमा देवी समेत दो दर्जन से अधिक पुरुष व महिला शिक्षामित्रों ने सिर मुड़वाकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उनकी मांगों पर अनदेखी कर रही है। शहीद हुए शिक्षामित्रों के लिए प्रदेश भर के शिक्षामित्रों ने श्रंद्धांजलि दी। इसमें दूसरे पहर तपन, श्राद्ध किया। हाथों में तिरंगा लिए हक की मांग को लेकर शिक्षामित्र धरना स्थल से बाहर इकोगार्डन गेट पहुंच गए। नारेबाजी करके विरोध जताया। कहा कि महिलाओं के अपमान के बाद भी सरकार नहीं मानती है। तो करो या मरो की नीति अपनाई जाएगी। गेट पर पहुंचे एसीएम तृतीय ब्रजेन्द्र कुमार ने समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष सन्तोष दुबे का कहना है कि सरकार नहीं चेती तो विरोध-प्रदर्शन तेज होगा।

मांग:

1-आरटीई एक्ट 2009 के तहत पूर्ण शिक्षक का दर्जा और वेतनमान

2- उत्तराखण्ड के अनुसार टेट उतीर्ण करने की छूट मिले।

3-जो टेट उतीर्ण है उन्हें बिना लिखित परीक्षा उम्र और अनुभव का भारांक पर नियमित किया जाय।

4- असमायोजित शिक्षामित्रों को समान कार्य-समान वेतन दिया जाए।

5- मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता व एक सदस्य को योग्यता के मुताबिक नौकरी मिले।

यूपी: प्राइमरी स्कूलों के नाम से हटाया जाएगा 'इस्लामिया' शब्द, अब रविवार को ही होगी छुट्टी

बलिया। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में बलिया जिले के इस्लामिया प्राथमिक विद्यालय अब सिर्फ प्राथमिक विद्यालय के नाम से ही जाने जाएंगे। इन विद्यालयों में साप्ताहिक अवकाश भी शुक्रवार के बजाय अन्य सभी प्राथमिक विद्यालयों की तरह रविवार को ही होगा। इस्लामिया प्राथमिक विद्यालयों पर लिखे 'इस्लामिया' शब्द को हटाने और शुक्रवार को अवकाश के मामले को लेकर शिक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शिक्षा क्षेत्र सीयर में खण्ड शिक्षा अधिकारी निर्भय नारायण सिंह ने बुधवार को बताया कि शिक्षा क्षेत्र सीयर में कुल छह इस्लामिया प्राथमिक विद्यालय हैं। ये विद्यालय अवाया, कुण्डैल, बासपार, बहोरवा, उभांव, तिरनई और पिपरौली बड़ागांव में स्थित हैं। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में रविवार के बजाय शुक्रवार को ही अवकाश होता रहा है।

मंगलवार को भोपाल में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राजभवन में सशस्त्र सीमा बल के प्रशिक्षु सहायक कमांडेंट के दल ने भेंट की।

राजस्थान, मध्य प्रदेश और उज़राखंड में अगले 48 घंटों में भारी बारिश का अलर्ट, यूपी में रज़्तार पकड़ेगा मानसून

जयपुर, लखनऊ, भोपाल, देहरादून। मौसम विभाग ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। राजस्थान में मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, जालोर, नागौर और पाली में भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, उत्तराखंड में क्षेत्रीय मौसम कायार्लय ने अगले 48 घंटों में 'भारी से बहुत भारी बारिश' को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा मध्य प्रदेश में मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

राजस्थान में बारिश से हुए हादसों में दो की मौत

राजस्थान के कई हिस्सों में बारिश का दौर मंगलवार देर रात तक जारी रहा। सीकर में वर्षा जनित हादसों में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। सीकर में मंगलवार शाम से ही हो रही बरसात में कई इलाके जलमग्न हो गए हैं तो वहीं बरसात के कारण नीमकाथाना इलाके के मावन्डा गांव में मकान ढ़हने से एक महिला की मलबे में दबने से मौत हो गई। नीमकाथाना में छात्रावास के एक कुण्ड मे पानी भरने से मनीष नामक युवक की डूबने से मौत हो गई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार सुबह 8.30 बजे तक जयपुर में 85.4 मिलीमीटर, सीकर में 59.2 मिलीमीटर, पिलानी में 41.2 मिलीमीटर, सवाईमाधोपुर में 37.0 मिलीमीटर, चित्तौड़गढ़ में 36.5 मिलीमीटर, भीलवाड़ा में14.0 मिलीमीटर, वनस्थली में 9.4 मिलीमीटर, बूंदी में 5 मिलीमीटर, कोटा में 3.4 मिलीमीटर, अजमेर में 2.1 मिलीमीटर और माउंटआबू में 1.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

वकील पति ने पत्नी को गुजारे भज़े में दिए 25000 के चिल्लर, कोर्ट में रो पड़ी महिला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ की एक कोर्ट में मंगलवार को जबरदस्त फैमिली ड्रामा हुआ। मामला तलाक के बाद दिए जाने वाले गुजारे भत्ते का था। एक पति ने अपने पत्नी को मासिक गुजारे भत्ते के रूप में 24,600 रुपये के चिल्लर थमा दिए। 30 वर्षीय महिला का पूर्व पति पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में वकील है। 24,600 रुपये 1 रुपये और 2 रुपये के सिक्कों के रूप में देखकर पत्नी पति पर बुरी तरह बरस पड़ी और काफी रोई भी। 24,600 रुपये के चिल्लर देखकर पत्नी ने कहा 'यह मुझे प्रताड़ित करने का एक और नया तरीका है। यह कानून के साथ मजाक किया जा रहा है।' महिला ने बताया कि उसे 25 हजार रुपये का गुजारा भत्ता सिक्कों में दिया गया है। 100-100 के सिर्फ 4 नोट हैं। बाकी सब 1 और 2 रुपये के सिक्के हैं। मामले की सुनवाई 27 जुलाई तक टाल दी गई है ताकि पैसों की गिनती हो सके। वर्ष 2014 में पति ने तलाक के लिए आवेदन दिया था। दो माह पहले कोर्ट ने पति को अपनी पत्नी को 25 हजार रुपये प्रति माह गुजारा भत्ता देने को कहा। इसके बाद पत्नी हाईकोर्ट गई। हाईकोर्ट ने पति को 50 हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। आखिरकार वकील पति ने अपनी पत्नी को 25 हजार रुपये का गुजारा भत्ता दिया लेकिन सिक्कों में। महिला ने कहा, 'वह (पति) वकील हैं, उनके पास कई हाई प्रोफाइल क्लाइंट हैं, उनकी कई प्रॉपर्टीज हैं, पैसा न होने की उनकी बात सरासर झूठी है।

मराठा आरक्षण: मुम्बई तक पहुंची आंच, आज कई जगह बंद का आह्वान

महाराष्ट्र में बवाल, गाड़ी फूंकीं दो की मौत, कई लोग घायल

औरंगाबाद ■ एजेंसी

मराठा आरक्षण के मामले में हो रही देरी और सोमवार को प्रदर्शन के दौरान नदी में कूदकर एक शख्स की खुदकुशी के विरोध में बुलाए महाराष्ट्र बंद हिंसक होने लगा है। औरंगाबाद में प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए और उन्होंने ट्रकों में आगजनी की। एक पुलिस कर्मी की हार्ट अटेक से मौत हो गई, वहीं दो पुलिसकर्मी घायल है। इस बीच मंगलवार को दो और युवकों ने नदी में कूदकर जान देने की कोशिश की। कुछ प्रदर्शनकारियों ने विरोध में अपने सिर मुंडवा लिए। बंद का सबसे ज्यादा असर मराठवाड़ा इलाके में दिख रहा है। यहां स्कूल और कॉलेज बंद हैं। औरंगाबाद में इंटरनेट सेवाएं रोक दी गईं और प्रदर्शनकारी धरना दे रहे हैं। आपको बता दें कि मराठा आंदोलन उग्र होने की वजह से उस्मानाबाद शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

औरंगाबाद-पुणे मार्ग बंद: औरंगाबाद-पुणे मार्ग भी बंद है। यहां मराठा क्रांति मोर्चा समन्वय समिति के सदस्य विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। औरंगाबाद में सरकारी बसों की सेवा मंगलवार को बंद है। मराठा आरक्षण बिल के लिए हो रहे प्रदर्शन के चलते मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे को मराठवाड़ा जिले के टूर को छोटा कर दिया। आंदोलन की आंच आग धीरे-धीरे मुंबई की ओर बढ़ रही है।

मृतक के परिवार को मुआवजा देने का वादा

मराठा आरक्षण पर औरंगाबाद के सिल्लोड तहसील स्थित कायगांव टोक में एक युवक काका साहेब दत्तात्रय शिंदे (28) ने गोदावरी में छलांग लगा दी थी। उसकी मौत के बाद मराठा आंदोलन घटनास्थल पर अधिक आक्रामक हो गया। मृतक के परिवार को मुआवजा और भाई को नौकरी देने का वादा प्रशासन ने किया। काका साहब शिंदे के अंतिम संस्कार में भाग लेने गए शिव सेना सांसद चंद्रकांत खैरे के साथ मराठा क्रांति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने धक्का-मुक्की की। बाद में पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

श्रद्धालुओं से भरी बस फंसी

इस बीच महाराष्ट्र बंद की वजह से पंडरपुर में आयोजित 'वारी' (एक धार्मिक यात्रा) में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं से भरी बस पिछली रात से लातुर बस स्टैंड पर फंसी हुई है। बस कंडेक्टर ने बताया, 'हमें अपने रिस्क पर आगे जाने के लिए कहा गया है। लोगों ने कहा, 'यहां कोई स्टाफ नहीं है और हमारे पैसे भी नहीं लौटाए जा रहे हैं।'

क्यों उग्र हो गया है मराठा समाज

मुख्यमंत्री के खिलाफ राज्य के सबसे बड़े मराठा समाज में आग सुलग रही है। मराठों का गुस्सा उबाल मार रहा है। 72 हजार सरकारी नौकरियों की भर्ती में मराठों के लिए 16 फीसदी पद आरक्षित रखने का सीएम का फैसला आग को ठंडा करने के बजाय और भड़का रहा है। पूजा करने पंढरपुर न जाने के मुख्यमंत्री के फैसले पर भी मराठा समाज नाराज है। मराठा समाज को लग रहा है कि मुख्यमंत्री ने यह फैसला मराठों को अपमानित करने के लिए लिया है।

प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर लगाया जाम

औरंगाबाद से मराठा आरक्षण को लेकर शुरू हुए प्रदर्शन की आग धीरे-धीरे मुंबई की ओर बढ़ रही है। हिंगोली, मराठवाड़ा, मनमाड़, क्षेत्र में मराठा आरक्षण की आग फैल गई। आज मुम्बई में बड़ी सब्जी मंडी और फल मंडी में बंद का आह्वान किया गया है। मराठा क्रांति समाज ने बुधवार को ठाणे, नवी मुंबई और रायगढ़ में बंद का ऐलान किया है। इस बंद में स्कूल और कॉलेजों को शामिल नहीं किया गया है। बता दें कि मंगलवार को कुछ जगहों मराठा आरक्षण को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए। दरअसल, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 72 हजार सरकारी नौकरियों की भर्ती में मराठों के लिए 16 फीसदी पद आरक्षित रखने का फैसला किया है लेकिन इससे भी आंदोलन की आग शांत नहीं हो रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव में साल भर से भी कम वक्त है। इसके अलावा 2019 में ही राज्य में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में मराठा आंदोलन फडणवीस सरकार और बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती बन चुका। नई भर्ती की घोषणा से आंदोलन को हवा मिली है।

मराठा आरक्षण के समर्थन में उतरी शिवसेना

फिलहाल महाराष्ट्र सरकार में भागीदार लेकिन बीजेपी के खिलाफ नजर आ रही शिवसेना ने मराठा आरक्षण का समर्थन किया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और शिवसेना के वरिष्ठ नेता सुभाष देसाई ने कहा कि मराठा आरक्षण में बहुत देरी हो चुकी है। कोर्ट इस पर क्या प्रतिक्रिया देता है, इसे ध्यान में रखना होगा। शिवसेना मराठा आरक्षण का समर्थन कर रही है। जिन लोगों ने आरक्षण का वादा किया था, उन्हें इस मसले को हल करने के लिए सामने आना चाहिए।

जस्टिस सीके प्रसाद से मिले जनसंपर्क आयुक्त

मंगलवार को भोपाल में भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष जस्टिस सीके प्रसाद से आयुक्त जनसंपर्क पी. नरहरि और अपर संचालक सुरेश गुप्ता ने सौजन्य भेंट कर मध्यप्रदेश में पत्रकारों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

नफरत मिटाओ कार्यक्रम शुरू किया प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल ने

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आई टी विभाग ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा संसद में शुरू किए गए नफरत मिटाओ देश बचाओ कार्यक्रम की शुरु आत राजीव चौक मेट्रो गेट नंबर एक से की।

इसमें आईटी विभाग के दर्जनों पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसके पूर्व संसद में 21 जुलाई को भाजपा के खिलाफ अविास प्रस्ताव के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने भाषण के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आदर स्वरूप गले लगाया था।

राजीव गांधी मेट्रो स्टेशन पर आईटी विभाग के कार्यकर्ता हाथों में प्ले कार्ड लेकर खड़े थे जिसपर नफरत मिटाओं देश बचाओ, व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की तस्वीर लगी थी।

इस कार्यक्रम के आयोजक अनिरुद्ध शर्मा ने बताया कि हमारे इस कार्यक्रम का उदेश्य राहुल गांधी के संदेश को आगे ले जाना है जिसमें उन्होंने कहा कि नफरत का मुकाबला हम प्यार से करेंगे। उन्होंने संसद में राहुल गांधी द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गले लगाने का उदाहरण देते हुए कहा कि एक तरफ तो कांग्रेस पार्टी है जो अपनी विपक्षी पार्टी के नेता को गले लगाकर भाईचारे और सम्मान देने का संदेश दिया है। दूसरी ओर जब से भाजपा की सरकार केन्द्र में आई है तब से प्रायोजित हिंसा के मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है।

अमानतुल्लाह को आरोपमुक्त करने के खिलाफ याचिका पर कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2010 के उस मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान को आरोपमुक्त किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर मंगलवार को उनका जवाब मांगा जिसमें उन पर दक्षिण दिल्ली की जारी इकाइयों से बाल श्रमिकों को बचाने से श्रम विभाग के अधिकारियों को रोकने और धमकाने का आरोप है। विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार ने दिल्ली सरकार, खान और एक अन्य आरोपी को नोटिस जारी करके सुनवाई की अगली तारीख 21 अगस्त तक अपना जवाब सौंपने के निर्देश दिया। एनजीओ ''बचपन बचाओ आंदोलन' के पूर्व राष्ट्रीय सचिव राकेश सेंगर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फुल्का ने अदालत से कहा कि मजिस्ट्रेट अदालत ने खान और सैफीउल्लाह सिद्दकी को आरोपमुक्त करते हुए ''साक्ष्यों और रिकार्ड में मौजूद सामग्री को नजरअंदाज किया जो तयों तथा स्थापित कानून के विरोधाभासी है।' यह मामला यहां बटला हाउस, जामिया नगर से पुलिस तथा एनजीओ द्वारा 15 बाल मजदूरों को बचाने से संबंधित है। इससे पहले मजिस्ट्रेट अदालत ने तीन मई को दोनों आरोपियों को आरोपमुक्त करते हुए पुलिस कीखिचाई की थी।

न्याय की गुहार इटली में बसे पिता से बेटी को वापस चाहती है भारतीय मां

मुंबई हाईकोर्ट ने जारी किया येलो नोटिस

मुंबई ■ एजेंसी

बॉम्बे हाईकोर्ट ने इटली के रहनेवाले एक शख्स के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी रखते हुए उनके द्वारा गोद ली हुई बच्ची की तलाश के लिए येलो नोटिस जारी किया है। दरअसल, यह शख्स कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए बच्ची को अपने साथ ले गया था। बच्ची की कस्टडी को लेकर आरोपी व्यक्ति का पांच वर्षों से ज्यादा समय से अपनी पत्नी (जो कि भारतीय हैं) के साथ विवाद चल रहा है। बता दें कि महिला को काफी समय पहले उनके पति ने छोड़ दिया था।

हाईकोर्ट ने यह गौर किया कि शख्स बच्ची को वर्ष 2015 में अपने साथ ले गया और तथ्यों को छिपाते हुए जुवेनाइल कोर्ट से इस बात के आदेश प्राप्त किए। बता दें कि गोद ली हुई बच्ची की कस्टडी के लिए उनकी मां ने कोर्ट में याचिका भी दायर की थी लेकिन वर्ष 2013 में इस

याचिका को खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने बगैर कुछ भी सुने बच्ची की कस्टडी उसके पिता को दे दी। इसके बाद हाईकोर्ट ने अक्टूबर 2015 में फैमिली कोर्ट के आदेश को दरकिनार करते हुए निर्देश दिए कि बच्ची को पिता मां के सुपुर्द करें। आदेश का पालन न होने की वजह से हाईकोर्ट ने सीबीआई (इंटरपोल) को निर्देश दिए कि वह रेड और येलो कॉर्नर नोटिस जारी करें। इस मामले में बच्ची की मां उसका पता लगाने में जुटी हुई हैं। वह चाहती हैं कि जब तक बच्ची वापस भारत नहीं आ जाती है तब तक कम से कम वह वीडियो चैट के जरिए ही एक-दूसरे से संपर्क में रहें। इस पूरे मामले में हाईकोर्ट ने विदेश मंत्रालय को आदेश जारी करते हुए कहा है, जरूरी कदम उठाते हुए पिता और बच्चे का पता लगाया जाए और उन्हें वापस लाएं।

गौरतलब है कि इस वर्ष की शुरुआत में शख्स का पता लगा लिया गया था। हालांकि, कोर्ट के आदेश पर इस शख्स ने बच्ची को देने से इनकार कर दिया और कहा था कि उसकी अच्छी तरह से देखभाल की जा रही है। इसी महीने की शुरुआत में हाईकोर्ट के दो जजों की बेंच ने कहा कि यह तो साफ है कि विदेश मंत्रालय ने सारे संभव प्रयास किए कि कम से कम बच्ची से उसकी मां की स्काइप या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत हो जाए। हालांकि, इसपर इटली के अधिकारियों द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया।

जब हम कठिन कायरे को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हैं और उन्हें खुशी और उत्साह से निष्पादित करते हैं, तो चमत्कार हो सकते हैं
-अल्बर्ट गिल्बर्ट

हिंसा और हत्याओं पर राजनीति

हिंसा और हत्याओं पर राजनीति में उबाल है। विपक्षी पार्टियों ने संसद में जिस तरह सरकार पर हमला किया उसे अस्वाभाविक नहीं माना जा सकता। कहीं भी लोग कानून अपने हाथों में ले रहे हैं, तो यह देश के लिए अत्यंत ही खतरनाक संकेत है। किंतु इसे कोई रंग देने की कोशिश उचित नहीं है। गोरक्षण के नाम पर अवश्य एक समुदाय के व्यक्ति की हत्या हुई है। किंतु इसी घटना के साथ राजस्थान में ही एक दलित युवक की भीड़ ने दूसरे समुदाय की लड़की से प्रेम करने के कारण पीट-पीट कर हत्या कर दी। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में बच्चा चोरी के नाम पर मारी गई मानसिक रूप से बीमार महिला भी उस समुदाय से नहीं है। हाल में बच्चा चोरी के नाम पर मारे गए लोगों को किसी समुदाय के विरु द्ध हिंसा नहीं माना जा सकता है। वास्तव में चिंता हमारे समाज के सामूहिक चरित्र पर होनी चाहिए। आखिर, लोग इस तरह हिंसक क्यों हो रहे हैं? दुर्भाग्य से राजनीति इस मूल प्रश्न पर विचार करने को तैयार नहीं है। नेताओं का रवैया केवल इसका राजनीतिक लाभ उठाने का दिख रहा है। यह शर्मानक और दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने उच्चस्तरीय समिति की जानकारी देते हुए भीड़ की हिंसा के खिलाफयथासंभव कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है, किंतु इससे हम आास्त नहीं हो सकते। सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देश, केंद्र की पूर्व में जारी एडवायजरी, अफ्वाहों से बचने की विज्ञापनों द्वारा सलाहों, आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाइयों आदि के बावजूद यह प्रवृत्ति रुकने का नाम नहीं ले रही है। तो इसके मूल कारणों की गहराई से छानबीन किए जाने की आवश्यकता है। एक दूसरे को दोषी ठहराकर राजनीतिक रोटियां सेंकी जा सकती हैं, पर यदि हिंसा की यह प्रवृत्ति बढ़ती गई तो कैसी खतरनाक स्थिति पैदा हो जाएगी इसकी कल्पना से ही सिहरन पैदा होती है। आखिर, ऐसा क्या है कि कोई अफ्वाह उड़ा देता है कि बच्चा चोर हैं, गो तस्कर हैं, और ऐसे लोग जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं क्रूर हिंसा पर उतारू हो जाते हैं? हमारा मानना है कि संसद इस पर अलग से बहस करने के लिए समय निकाले तथा राजनीतिक गोलबंदी से परे होकर माननीय सांसद समाधान तलाशने पर विचार करें। सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों के साथ अन्य दलों के नेताओं तथा सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं का एक समूह बनाया जाए जो हिंसा की रिपोटरे को देखकर सच्चाई की तह तक जाए एवं इसे रोकने के उपाय सुझाए।

धरना - प्रदर्शन

जंतर-मंतर पर सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ और अपनी मांगों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन करने वाले, विभिन्न सामाजिक राजनीतिक संगठनों के अच्छे दिन आ गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने जंतर मंतर और वोट क्लब पर धरना-प्रदर्शन पर लगी रोक हटाने का आदेश दे कर नागरिकों के विरोध-प्रदर्शन करने के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की है। पिछले साल अक्टूबर में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने वायु प्रदूषण और प्रदर्शनकारियों द्वारा गंदगी फैलाने के बिना पर जंतर मंतर पर धरना-प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी थी। गैर सरकारी संगठन मजदूर किसान शक्ति संगठन और कुछ अन्य संगठनों ने एनजीटी के इस आदेशको सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। अदालत का विास है कि क्षेत्र की संवेदनशीलता और नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के अधिकार के बीच एक संतुलन बनाने की जरूरत है। इसीलिए जंतर मंतर और वोट क्लब जैसे स्थानों पर धरना-प्रदर्शन करने पर पूर्ण पाबंदी नहीं लगाई जा सकती। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि जब चुनावों के दौरान राजनीतिक नेता वोट मांगने के लिए जनता के पास जा सकते हैं तो चुनाव बाद जनता उनके प्रति विरोध प्रदर्शन या अपनी लंबित मांगों की पूर्ति पर सरकार ध्यान आकृष्ट करने के लिए उनके कार्यालयों के पास क्यों नहीं जा सकती? यह सच है कि लोकतंत्र में आम जन को सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का अधिकार है। धरना-प्रदर्शन इसका प्रत्यक्ष माध्यम है। पूर्व में कांग्रेस पार्टी की स्थापना भी इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए हुईथी। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा, किसी एक के धरना-प्रदर्शन के अधिकार से दूसरे के जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का अतिक्रमण तो नहीं हो रहा है। कुछ लोग जंतर मंतर पर एनजीटी के लगाए प्रतिबंध को मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बता रहे हैं, जबकि वास्तव में ऐसा है नहीं। एनजीटी ने पर्यावरण कानून का हवाला देकर यहां प्रदर्शन करने पर रोक लगाई थी न कि लोगों के मौलिक अधिकारों पर। जंतर मंतर के बदले रामलीला मैदान दिया गया था। इसलिए अगर धरना-प्रदर्शन से पर्यावरण को वास्तव में क्षति पहुंच रही है तो इस ओर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए।

सत्संग

प्रकृति

इंसान की पहली और सबसे महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी एक खुशमिजाज प्राणी होने की है। खुश रहना जीवन का चरम पहलू नहीं है। यह जीवन का बुनियादी पहलू है। अगर आप खुश नहीं हैं, तो आप अपने जीवन में क्या कर सकते हैं? एक बार आप खुश हों, तभी दूसरी महान संभावनाएं खुलती हैं। चाहे आप जो भी करें, आप अपने अंदरूनी गुणों को ही विस्तार देते हैं और जगाते हैं। चाहे आप इस बात को पसंद करें या नहीं, हकीकत यही है। जब तक कि कोई महत्त्वपूर्ण चीज आपके भीतर घटित नहीं होती, आप दुनिया के लिए कुछ बहुत महत्त्वपूर्ण नहीं कर सकते। इसलिए अगर आप दुनिया के बारे में चिंतित हैं, तो पहली चीज आपको यह करनी चाहिए कि खुद को एक खुशमिजाज प्राणी में रूपांतरित करें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपने जीवन में क्या कर रहे हैं, चाहे वह कारोबार हो, सत्ता, शिक्षा या सेवा, आप ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आपके भीतर कहीं गहराई में एक भावना है कि इससे आपको खुशी मिलेगी। इस धरती पर हम जो कुछ भी करते हैं, वह खुश रहने की इच्छा से करते हैं, क्योंकि यह हमारी मूल प्रकृति है। जब आप बच्चे थे, तो आप यूं ही खुश थे। वही आपकी प्रकृति है। खुशी का स्रेत आपके भीतर है, आप उसे हमेशा के लिए एक जीवंत अनुभव बना सकते हैं। आज सुबह, क्या आपने देखा कि सूर्य बहुत अद्भुत तरीके से उगा? फू ल खिले, कोई सितारा नीचे नहीं गिरा, तारामंडल बहुत अच्छी तरह काम कर रहा है। सब कुछ व्यवस्थित है। आज समूचा ब्रह्मांड बहुत बढ़िया तरीके से काम कर रहा है। मगर आपके दिमाग में आया किसी विचार का एक कीड़ा आपको यह मानने पर मजबूर कर देता है कि आज बुरा दिन है। कष्ट मुख्य रूप से इसलिए होता है क्योंकि ज्यादातर इंसान इस जीवन के प्रति सही नजरिया खो बैठे हैं। उनकी मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया अस्तित्व की प्रक्रिया से कहीं बड़ी हो गई है, या सीधे-सीधे कहें तो आपने अपनी रचना को सृष्टा की सृष्टि से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण बना दिया है। यह सारी पीड़ा का बुनियादी स्रेत है। हम इस बात की पूरी समझ खो बैठे हैं कि यहां जीवित रहने के क्या मायने हैं। आपके दिमाग में आया कोई विचार या आपके मन की कोई भावना फिलहाल आपके अनुभव की प्रकृति को तय करती है।

''नाम में क्या रखा है !'

कांग्रेस ने इसे भारत का दूसरा स्वतंत्रता संघर्ष कहा है। हम इसे भारत में जनतंत्र मात्र की रक्षा की लड़ाई कहना चाहेंगे क्योंकि जनतंत्र अगर रहेगा तो सत्ता पर राजनीति के सभी अलग-अलग प्रतिद्वंद्वी दावेदारों का भी अस्तित्व रहेगा अन्यथा लिंचिंग, हत्याओं की श्रृंखला, जनसंहारों की राजनीति का प्रत्येक संवेदनशील नागरिक तक को शिकार होना होगा। राजेश जोशी की कविता है-``जो निरपराध होंगे, वे मारे जाएंगे।' भारत की जनता ने अपनी आजादी के बाद के राजनीतिक जीवन में जनतंत्र मात्र की रक्षा की एक ऐसी, भले छोटी ही क्यों न हो, महत्त्वपूर्ण लड़ाई लड़ी है। इंदिरा गांधी के आंतरिक आपातकाल के खिलाफ लड़ाई-जब इंदिरा गांधी में सर्वग्रासी सत्ता का रुझान दिखाई दिया था और उस समय इंदिरा गांधी को पराजित करके पटरी पर लाने की लड़ाई में किसी ने भी लड़ाई में उतरे लोगों की अपनी-अपनी पहचानों की एक बार के लिए परवाह नहीं की थी।

सतीश पेडणोकर

कांग्रेस ने अंतत: अपनी कार्यसमिति की बैठक में आज की भारतीय जनता पार्टी की बिल्कुल सही शिनाख्त कर ली है-यह मोदी पार्टी है। मॉब लिंचिंग, गुप्त हत्या, हत्याओं की श्रृंखला और जनसंहार इसकी राजनीति के, सर्वग्रासी सत्ता और पूर्ण वर्चस्व के इसके लक्ष्य के क्रियात्मक रूप हैं। अपनी इसी शिनाख्त के आधार पर कांग्रेस ने यह जरूरी निर्णय लिया है कि 2019 के चुनाव में उसे अपने किसी तथाकथित दूरगामी हित की बिना परवाह किए देश के सभी स्तर के अलग-अलग मतावलंबी लोगों को भी एकजुट करके भारत में मोदी पार्टी को पराजित करना है। कांग्रेस ने इसे भारत का दूसरा स्वतंत्रता संघर्ष कहा है। हम इसे भारत में जनतंत्र मात्र की रक्षा की लड़ाई कहना चाहेंगे क्योंकि जनतंत्र अगर रहेगा तो सत्ता पर राजनीति के सभी अलग-अलग प्रतिद्वंद्वी दावेदारों का भी अस्तित्व रहेगा अन्यथा लिंचिंग, हत्याओं की श्रृंखला, जनसंहारों की राजनीति का प्रत्येक संवेदनशील नागरिक तक को शिकार होना होगा। राजेश जोशी की कविता है-''जो निरपराध होंगे, वे मारे जाएंगे।' भारत की जनता ने अपनी आजादी के बाद के राजनीतिक जीवन में जनतंत्र मात्र की रक्षा की एक ऐसी, भले छोटी ही क्यों न हो, महत्त्वपूर्ण लड़ाई लड़ी है।

इंदिरा गांधी के आंतरिक आपातकाल के खिलाफ लड़ाई-जब इंदिरा गांधी में सर्वग्रासी सत्ता का रुझान दिखाई दिया था और उस समय इंदिरा गांधी को पराजित करके पटरी पर लाने की लड़ाई में किसी ने भी लड़ाई में उतरे लोगों की अपनी-अपनी पहचानों की एक बार के लिए परवाह नहीं की थी। चूंकि सन 1975 से 1977 के उस अनुभव के साथ कांग्रेस दल का नाम जुड़ा हुआ है, संभवत: इसीलिए अभी कांग्रेस कार्यसमिति आने वाले दिनों की इस एक और बेहद चुनौती भरी, जनतंत्र की रक्षा की कठिन लड़ाई को ''दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन' बता रही है। लेकिन, सारत: यहां कहना पड़ता है -''नाम में क्या रखा है !' मूल बात, जो कांग्रेस कार्यसमिति ने बिल्कुल सही कही है, वह यह है कि 2019 हरेक भारतवासी के लिए भारत मात्र की अवधारणा की रक्षा की लड़ाई है। इसमें शामिल होने वाले का अपना कोई रंग नहीं होगा, कोई जात, कोई पहचान और कोई विचारधारा नहीं होगी-वह सिर्फ भारत में जनतंत्र की रक्षा का सेनानी होगा।

कांग्रेस कार्यसमिति ने बिल्कुल सही भारत मात्र के अस्तित्व पर खतरे को पहचाना है।बीस जुलाई को लोक सभा में मोदी पार्टी की सरकार के खिलाफतेलुगू देशम पार्टी के अविास प्रस्ताव पर बहस में भी 2019 के सारे मुद्दे सामने आए। बहस में राहुल गांधी ने अपने भाषण के प्रारंभ में ही यह सवाल उठाया कि क्या मोदी सरकार की किसी भी बात का कोई मूल्य रह गया है? मोदी ने किनके इशारों पर नोटबंदी की? क्यों जीएसटी देश के सामान्य व्यापारियों के जी का जंजाल बन गया? राहुल गांधी ने साफ कहा कि भारत का हर आदमी जानता है, नरेन्द्र मोदी किन के हित में काम कर रहे हैं। सबने उन कंपनियों के विज्ञापन देखे हैं, जिन्होंने नोटबंदी के बाद मोदी का स्वागत किया था। अंबानी के जियो के विज्ञापन में मोदी होते हैं। उन्होंने राफेल लड़ाकू विमान की खरीद में अनिल अंबानी को सीधे पैंतालीस हजार करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते हुए रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन से सदन में और बाहर भी लगातार असत्य बोलने के लिए बाध्य किया। राहुल गांधी ने अमित शाह के पुत्र का जब नाम लिया, तो सारे भाजपाई सांसद जिस प्रकार खड़े हो गए उससे तो यह लगा कि आगे संसद में माल्या, नीरव मोदी जैसों का भी नामोच्चार निषिद्ध हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा-प्रधानमंत्री चौकीदार नहीं है, भागीदार हैं। इन्होंने भारत के सबसे बड़े पूंजीपतियों का अढ़ाई लाख करोड़ रु पये माफकिया, लेकिन किसान का मामूली कर्ज भी माफनहीं करेंगे। आज इनके चेहरे पर घबड़ाहट है। ये मेरी से नजर से नजर नहीं मिला सकते हैं। राहुल गांधी ने पहले कहा था कि मेरे भाषण का वे पंद्रह मिनट भी सामना नहीं कर पाएंगे। बीस जुलाई को वास्तव में भी वही हुआ। स्पीकर सुमित्रा महाजन ने उनके भाषण और उसकी भाषा में काट-छांट की कोशिश की। वह चाहती थीं कि राहुल गांधी अपने भाषण के प्रवाह को रोक कर बीच-बीच में दूसरों को बोलने दें। पूरा शासक पक्ष आपे के बाहर हो गया था । एक बार तो उनके भाषण के बीच में ही सदन को स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी ने महिलाओं की असुरक्षा का सवाल उठाया और लिंचिंग की तरह के जघन्य कृत्यों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी को उनके प्रति मौन स्वीकृति कहा। राहुल गांधी ने जो सबसे बड़ी बात कही वह यह थी कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह हम सबसे दूसरी धातु के लोग हैं। ये सत्ता के बिना जी नहीं सकते। ये जानते हैं कि जिस दिन ये सत्ता खो देंगे, इनके खिलाफढेर सारी कार्रवाइयां शुरू हो जाएंगी। राहुल गांधी के जवाब में इस दिन नरेन्द्र मोदी खिसियाए लग रह थे। राहुल गांधी अपने भाषण के अंत में नफ्रत की राजनीति का एक प्रति-आख्यान रचते हुए मोदी से गले मिले थे। मोदी ने राहुल के उस आलिंगन के प्रति खीझ उतारने में ही डेढ़ घंटा समय गंवा दिया। सारे अखबारों ने नोट किया कि मोदी क्या बोले, वह किसी को समझ में नहीं आया, वे राहुल की झप्पी के असर से मुक्ति में ही डूबे रह गए। बहरहाल, 20 जुलाई के बाद से ही 2019 की लड़ाई का बिगुल फुंक गया है। कांग्रेस कार्यसमिति ने भी सभी विपक्षी दलों के सामने इस लड़ाई की दिशा बांध दी है। बाकी दल भी जल्द ही 2019 के बरक्स अपनी रणनीति को तय करने के लिए बैठकें करेंगे। तेलुगू देशम, शिव सेना और टीएमसी जैसे दलों ने नरेन्द्र मोदी के खिलाफजनता की गोलबंदी का आह्वान करना भी शुरू कर दिया है। इतना साफहै कि 2019 के चुनाव में मोदी-आरएसएस को परास्त करने के परिप्रेक्ष्य को भूल कर कोई भी चुनावी रणनीति बेकार है। जो पार्टी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मोदी-आरएसएस की मदद करेगी, वह वास्तव में अपनी आत्महत्या का नोट लिखेगी। मोदी का सत्ता में लौटना जनतंत्र का अंत और सत्ता में भागीदारी के अन्य सभी दावेदारों का भी अंत होगा। उनको परास्त करने से ही समाज में समानता, न्याय, स्वतंत्रता, भाईचारे व समाजवाद के लिए भी संघर्ष का रास्ता प्रशस्त होगा।

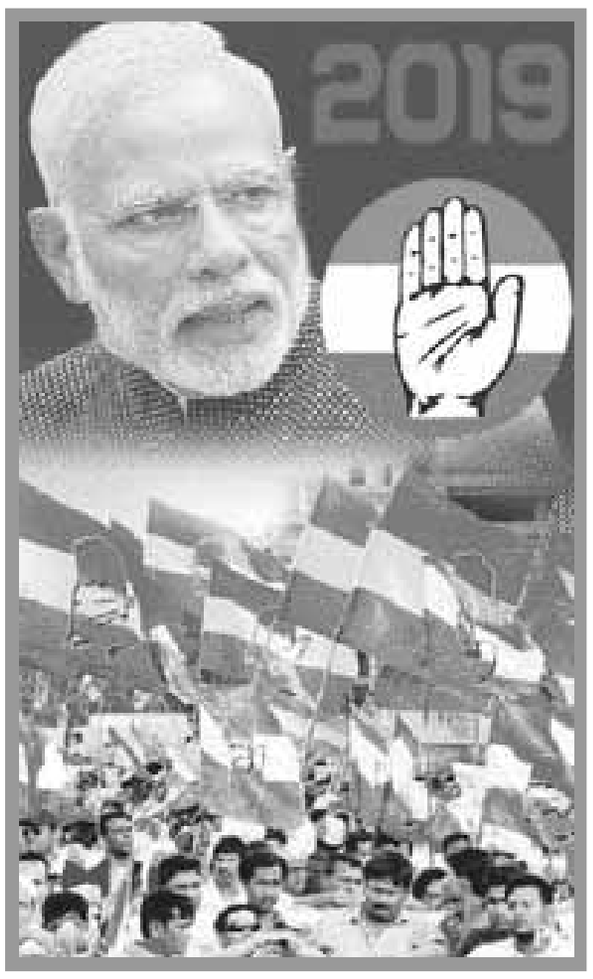

चलते चलते

लीजिए अब पुकारता हूं गीत

मुझे साठ साल पहले ही समझ में आ गया था कि ये कुछ अलग हैं। इनके अंदर कुछ है, जो अपनी ओर खींचता है। समझ अधिक नहीं थी, लेकिन इतनी कम भी नहीं थी। गली के बच्चे हमारे घर में झांकते थे तो मुझे गर्व होता था कि देखा, तुम्हारे घर नहीं, मेरे घर आए हैं। -कोई किस्सा सुना उनकौ!-सैकड़ों किस्से हैं। इन गुजरे साठ सालों में उनके साथ कितने कवि सम्मेलनों में गया, गिनती नहीं की।

नीरज जी तैनैं पहली बार कब देखे?-जब मैं सात-आठ वर्ष का था, तब अपने मौहल्ला अहीरपाड़ा के घर में उन्हें देखा था। मेरे पिता के अनन्य मित्र थे। मुझे साठ साल पहले ही समझ में आ गया था कि ये कुछ अलग हैं। इनके अंदर कुछ है, जो अपनी ओर खींचता है। समझ अधिक नहीं थी, लेकिन इतनी कम भी नहीं थी। गली के बच्चे हमारे घर में झांकते थे तो मुझे गर्व होता था कि देखा, तुम्हारे घर नहीं, मेरे घर आए हैं। -कोई किस्सा सुना उनकौ!-सैकड़ों किस्से हैं। इन गुजरे साठ सालों में उनके साथ कितने कवि सम्मेलनों में गया, गिनती नहीं की। सौ से अधिक कवि सम्मेलनों में तो ऐसा हुआ होगा कि उन्होंने अध्यक्षता की और मैंने संचालन। मैं उन्हें जब काव्य-पाठ के लिए बुलाता था तो कुछ इस तरह, ''लीजिए अब पुकारता हूं गीत-सम्राट को, जिनकी बानी प्रेम की बानी है, जिनका शब्द-शब्द प्यार की कहानी है। कहानी जो भावनगर से अर्थनगर तक जाती है, हालांकि कई बार अर्थ जगत की तलाश में अलीगढ़ से बंबई जाकर रुक जाती है। लेकिन चूंकि ठाठ फकीरी का है, मामला आंसू के सम्मान का है, सरोकार देश के सबसे गरीब इंसान का है, इसलिए वे कहते हैं चल रे, चल रे बटोही वापस चल। शोखियों में फूलों का शबाब घोला जा चुका है, उसमें शराब भी मिलाई जा चुकी है। तैयार होने वाले नशे को प्यार का नाम भी दिया जा चुका है। विडंबना है कि बंबई में स्वप्न फूलों की तरह झरने लगे हैं, मीत शूलों की तरह चुभने लगे हैं। चल कवि नीरज वापस कवि सम्मेलनों की ओर चल। और दोस्तो, आज नीरज जी हमारे बीच हैं, कवि सम्मेलन की सशक्त वाचिक परंपरा के साथ।

मैं नीरज जी के रूप में गीतों के एक पूरे कारवां को पुकारता हूं। तालियों के स्वर का ऐसा गुबार उठाएं कि नीरज जी देखते रह जाएं।' बड़ी हूक उठती है चचा! अब बुलाऊं तो किस तरह बुलाऊं! जब तक कुछ अपनी कहूं, सुनूं जग के मन की, तब तक ले डोली द्वार विदा क्षण आ पहुंचा।' गीतों का एक कारवां चला गया और गुबार और ज्यादा छोड़ गया।

फोटोग्राफी...

रॉयल वेल्श शो... *वेल्स के शहर लेलेनवीड में बुधवार को रॉयल वेल्श शो के दौरान अपने पालतू के साथ आया युवक। वेल्स के सबसे बड़े इस शो में किसान अपने मवेशी लाते हैं। वीरवार तक चलने वाले शो में न सिर्फ वेल्स और ब्रिटेन बल्कि पूरे यूरोप से किसान पहुंचते हैं।*

प्रबंधन प्राधिकरण मंजूरी

सरकार द्वारा आखिरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के गठन को मंजूरी दिए जाने के बाद कावेरी को लेकर हो रहा मूर्खतापूर्ण कोलाहल अब शांत हो चुका है। इसलिए अब इस मुद्दे पर ठहर कर विचार करना उचित होगा। इस मुद्दे का इतिहास देखते हुए अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि प्राधिकरण का फैसला आने के बाद तमिलनाडु और कर्नाटक का झगड़ा फिर जोर पकड़ेगा क्योंकि दोनों राज्य किसी समझौते के बजाय अपनी अस्मितामूलक राजनीति को बचाए रखने की कोशिश ज्यादा करते हैं। कावेरी विवाद लगभग एक सदी पुराना है। 1924 में मैसूर और मद्रास में इसको लेकर एक समझौता हुआ जो 50 सालों तक किसी तरह चला। 1974 में 50 साल पूरे हो जाने के काफी सालों बाद 1990 में दोनों राज्यों में नदी के पानी के बंटवारे के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एक ट्रिब्यूनल बना। ट्रिब्यूनल के फैसले को कर्नाटक ने नहीं माना और फैसले के खिलाफ एक अध्यादेश पारित कर दिया जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। दोनों राज्यों में हिंसात्मक विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए। यह सिलसिला चलता रहा। ट्रिब्यूनल सुनवाई करता रहा, कावेरी नदी प्राधिकरण बना, कावेरी निगरानी समिति बनी। लेकिन यह झगड़ा चलता रहा और कोई मान्य समझौता कभी हो नहीं पाया। इस सबके बीच कावेरी नदी की हालत खराब होती रही। किसी ने इसके महत्त्व का विषय नहीं समझा। आज नदी और इससे जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र की हालत बदतर हो चुकी है। कर्नाटक में कुर्ग के पहाड़ों से इसका उद्गम होता है। इस पहाड़ी इलाके में 19वीं शताब्दी में कॉफी की खेती शुरू हुई। कॉफी को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। सबके बावजूद काफी सालों तक इस इलाके की पारिस्थितिकी काफी हद तक बची रही। लेकिन 20वीं सदी के अंतिम दशकों से पारिस्थितिकी बदलती चली गई। नियंतग्र बाजार में कॉफी की मांग से इस इलाके में खेती फैलाने के लिए वनों की कटाई शुरू हो गई। एक अध्ययन के अनुसार 1977-1997 के बीच इलाके के वन क्षेत्रों में 28 प्रतिशत गिरावट आई। वन क्षेत्र 2566 वर्ग किमी. से घटकर 1841 वर्ग किमी. रह गया. परिणामस्वरूप वष में कमी आती गई। पिछले 40 सालों के दौरान इलाके में बारिश का मौसम मात्र 14 दिनों का होकर रह गया है। नदी को पानी मिलना कम हो गया। भूजल काफी नीचे चला गया है। नदी के किनारे पानी की खपत करने वाले उद्योग भी शुरू हुए। चीनी मिल और अन्य छोटे-बड़े उद्योगों का कचरा और दूषित पानी नदी में गिराया जाने लगा। मैसूर और आसपास के इलाकों का पानी जहरीला होता जा रहा है। कर्नाटक में अंधाधुंध शहरीकरण ने कावेरी और उसकी सहायक नदियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। कावेरी की लगभग सारी सहायक नदियां सीवेज के पानी से गंदी हो चुकी हैं। तमिलनाडु पीड़ित होने का रोना रोते रहता है। खेती, उद्योग, सीवेज, वनों की कमी, कम वष, सूखा, भूजल व पीने के पानी की कमी और उसका दूषित होते जाना, छोटी नदियों का सूखना, कावेरी नदी का जलस्तर घटते जाना। राज्य सरकारों, किसान संगठनों, सिविल सोसाइटी, स्थानीय शहरी विकास निकायों, ग्रामीण निकायों, पर्यावरणविद् और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को इस मामले में एक साथ मिलकर स्थायी समाधान की दिशा में काम करने की जरूरत है। अगर हम नदी और पानी को वाकई बचाना चाहते हैं, तो बचा सकते हैं। कर्नाटक और तमिलनाडु के लोगों को सोचना होगा कि अगर नदी ही नहीं बची तो पानी कहां से आएगा? वैसे इस दिशा में सोचने की जरूरत तो पूरे देश को है।

संक्षिप्त

बदलापुर के युवक की मुंबई में हत्या, घर में कोहराम

बदलापुर (जौनपुर), नगर के भलुआही के युवक की मुंबई में रविवार की रात हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह उसकी लाश पाई गई। खबर आते ही घर में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन मुंबई के लिए रवाना हो गए हैं। इंद्रजीत बिंद (35) मुंबई के पनवेल में भाई विक्रम के साथ रहकर किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। रविवार की रात वह ड्यूटी से वापस नहीं आया। चिंतित साथियों ने उसकी खोजबीन शुरु कर दी। सोमवार की सुबह थाना तलोजा जनपद रामगढ़ के पनवेल क्षेत्र में उसका शव पाया गया। उसके भाई विक्रम ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पंचनामा के बाद कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विक्रम ने इंद्रजीत की हत्या की खबर दी तो घर में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन मुंबई रवाना हो गए हैं।

करंट से छात्र की मौत

लम्भुआ (सुल्तानपुर), स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के गजापुर गांव में रात एक युवक करंट लगने से जख्मी हो गया। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। युवक कस्बे के एक विद्यालय में इंटर का छात्र था। छात्र की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। देर रात गजापुर गांव निवासी राम आशीष यादव के घर में लोग सोने की तैयारी कर रहे थे। उनका बेटा शिवकुमार (17) भी पंखा लगाने की व्यवस्था कर रहा था। बताते हैं कि पंखा लगाने के दौरान उसमें करंट उतर आया। करंट की चपेट में शिवकुमार आ गया। करंट के झटके से शिवकुमार दीवाल से टकरा गया था। जिसके उसके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। जख्मी शिवकुमार को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले लाया गया। तब तक छात्र के सिर से काफी खून बह गया था। जहां इलाज के दौरान शिवकुमार की मौत हो गई। शिवकुमार कस्बे में स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में कक्षा 12 का छात्र था।

ग्रामीणों का एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

मिर्जापुर, पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर पीली कोठी और चितावनपुर के नागरिकों ने प्रदर्शन किया और पत्रक सौंपा। इसमें सत्तापक्ष के लोगों पर स्थगन आदेश का उल्लंघन कर जमीन पर निर्माण कराने का आरोप लगाया गया है। पीली कोठी स्टेशन रोड निवासी रमापति, लक्ष्मण, अशोक और कोतवाली देहात क्षेत्र के चितावनपुर निवासी इमरान खान दोपहर में एसपी कार्यालय पहुंचे और वहां प्रदर्शन के बाद पत्रक दिया। कहा कि संक्रमणीय भूमिधर जमीन पर तीन वर्ष से एसडीएम स्तर से स्थगन आदेश है बिना पक्की पैमाइश कराए जबरदस्ती निर्माण कराया जा रहा है। इस मामले में कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार का कहना था मामला राजस्व विभाग से जुड़े होने के कारण निर्माण रोकवाने के लिए पीड़ितों से एसडीएम से आदेश लाने को कहा गया है। आदेश मिलते ही काम रोकवा दिया जाएगा।

ट्रक की चपेट में आने से मामी-भांजे की मौत

अमेठी, गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के बाबूगंज बाजार के करीब सुलतानपुर-रायबरेली राजमार्ग पर मंगलवार सुबह साढ़े दस बजे के करीब एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मामी और भांजे की मौके पर ही मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के बहवा गांव मजरे पैंगा निवासी राजकुमार अपनी मामी रजपता (40) को उनके गांव परैया, कोतवाली क्षेत्र नसीराबाद जिला रायबरेली छोड़ने के लिए बाइक से घर से निकला। रास्ते में सुलतानपुर-रायबरेली हाईवे पर बाबूगंज बाजार के करीब एक अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक से दूर जा गिरे और मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी नजमुल हुसैन ने बताया कि ट्रक की तलाश की जा रही है। एडीएम अर्चना द्विवेदी ने बताया कि राजस्व कर्मियों की टीम गांव भेजी गई है। पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दी जायेगी।

मिड-डे-मील में मिले कीड़े, हड़कंप

वलीदपुर (मऊ), मुहम्मदाबाद गोहना कस्बे के मुहल्ला रसूलपुर में नदी रोड पर मंगलवार को एक मदरसे के मध्याह्न भोजन में कीड़े मिलने से हड़कंप मच गया। इस लेकर विद्यालय के प्रबंधक समेत अध्यापकों में एनजीओ संचालक के प्रति भारी आक्रोश है। लोगों ने एनजीओ संचालक के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है। मुहल्ले में स्थित मदरसा फैजुल ओलूम में रोज की भांति छात्रों को सर्व शिक्षा अभियान के तहत मध्याह्न भोजन दिया जाता है। मंगलवार को एनजीओ का एक कर्मचारी खाना लेकर मदरसे में आया। खाना खाने के लिए बच्चों को जब परोसा गया तो उस में कीड़े दिखाई दिए। इससे सभी बच्चे खाना छोड़ कर हट गए और इसकी जानकारी अपने अध्यापकों को दिए। भोजन में कीड़ा देखकर शिक्षक एनजीओ संचालक के प्रति आगबबूला हो गए और इसकी सूचना संचालक को दिए। इस पर संचालक ने दोबारा ऐसी गलती न करने की बात कही।

युवक की करंट से मौत

अंबेडकरनगर, जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के परसौली गांव निवासी 30 वर्षीय दिनेश कुमार पुत्र फिरतूराम मंगलवार की सुबह खेत में काम करने गया था। इसी बीच विद्युत खंभे के स्टे वायर में उतरे करंट की चपेट में आकर झुलस गया। स्थानीय ग्रामीणों एवं परिजनों ने उसे गम्भीरावस्था में जहांगीरगंज सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की मासूम पुत्री आरुषि (7) व आयुष (4) का रो-रो कर हाल बेहाल है। सूचना पर एसआइ अभय कुमार ने सीएचसी पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज।

जेल में बंदियों को मिलेगा रोजगार

गोंडा, जिला कारागार प्रशासन ने सहकारी समिति बनाकर पंजीकरण के बाद स्वरोजगार के लिए बैंक से ऋण लेने का फैसला किया है। समिति में सजायाफ्ता बंदियों के साथ ही जेलर को भी शामिल किया जाएगा। स्वरोजगार के जरिए होने से वाली कमाई से बंदियों को पगार देने के साथ ही उनको अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर खर्च किया जाएगा। जेल प्रशासन ने कारागार में निरुद्ध बंदियों को स्वावलंबन की सीख देने के साथ कारागार का राजस्व बढ़ाने के लिए एक नया प्लान तैयार किया है। इसके तहत जेल प्रशासन एक सहकारी समिति का पंजीकरण कराने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। इस समिति में जेल अधीक्षक व जेलर पदेन पदाधिकारी होंगे।

अमित शाह संगमनगरी से बढ़ाएंगे चुनावी सरगर्मी

इलाहाबाद, 'गुरु पूर्णिमा' के इस खास मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह कार्यकर्ताओं के बीच संगमनगरी से लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंक सकते हैं, लोकसभा चुनाव को लेकर अमित शाह यहां बड़ा एलान करने की तैयारी में है। इसी के बाद यूपी में

चुनावी सरगर्मी बढ़ जाएगी। यही वजह है कि अमित शाह संतों से आत्मीयता स्थापित करने की शुरुआत की है। गुरु पूर्णिमा 27 जुलाई की शाम अमित शाह प्रयाग में संतों के सानिध्य में रहेंगे। कुंभ पर चर्चा, पूजन-अर्चन करके साथ में भोजन भी करेंगे। शाह पांच घंटे से अधिक समय संतों के साथ रहेंगे। इसके जरिए वह संदेश देंगे कि भाजपा के लिए संत समाज व हिंदुत्व सर्वोपरि है। यही कारण है कि उनकी यात्रा राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी है। लोकसभा चुनाव 2014 से पहले संतों ने भाजपा का खुलकर समर्थन किया था। प्रयाग में 2013 में लगे महाकुंभ मेला में श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में मंदिर निर्माण, गंगा की निर्मलता, गोहत्या पर पाबंदी जैसे मुद्दों को पूरा कराने के लिए संतों ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का पुरजोर आह्वान किया था। इसके बाद भाजपा प्रचंड बहुमत से केंद्र की सत्ता पर काबिज हुई। लेकिन वादे के अनुरूप अभी हुआ कुछ नहीं। मंदिर निर्माण, गंगा की निर्मलता व गोहत्या पर पाबंदी जैसे मुद्दों पर सरकार ने कदम तो आगे बढ़ाया है, लेकिन उसका पूर्ण परिणाम नहीं आया। यही कारण है कि इधर कुछ संत खुलकर भाजपा के खिलाफ बोलने लगे हैं। संतों की नाराजगी को भांपते हुए अमित शाह कुंभ से पहले अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पदाधिकारियों से मिलने आ रहे हैं। इसके जरिए वह हिंदू समाज को संदेश देने का प्रयास करेंगे कि भाजपा अपने मुद्दों पर अडिग है। यही कारण है कि उन्होंने कुंभ के पहले प्रयाग आने का समय चुना और यात्रा पूरी तरह से धार्मिक रखी है।

शबाना आजमी ९ अगस्त को आएंगी, मेजवां गांव

आजमगढ़, सिने तारिका शबाना आजमी पांच दिवसीय यात्रा पर ९ अगस्त को आजमगढ़ आ रही है। वह अपने पैतृक गांव मेजवां के फतेह मंजिल आवास में प्रवास करेंगी। कैफी आजमी गर्ल्स इंटर कालेज में वह १० अगस्त को डिजिटल क्लासेज का उद्घाटन करेंगी। मेजवां में इसको लेकर तैयारी शुरू हो गई है। शबाना आजमी १३ अगस्त को यहां से मुंबई के लिए प्रस्थान करेंगी। पांच दिवसीय यात्रा के दौरान अभी तक सिर्फ एक ही समारोह में शिरकत करने की जानकारी सामने आई है। मेजवां ट्रस्ट से जुड़े लोगों का कहना है कि फिलहाल डिजिटल क्लासेज का वह उद्घाटन करेंगी, शेष कार्यक्रम उनके आने के बाद ही तय होगा। सिनेतारिका के साथ मेजवां वेलफेयर सोसायटी की सचिव नम्रता गोयल के अलावा प्लान इंडिया के कंट्री हेड मिस्टर आशीष भी होंगे। मेजवां वेलफेयर सोसायटी की छांव में ६०० से अधिक लड़कियां चिकनकारी सीख रहीं हैं। मेजवां ही नहीं, पूर्वांचल की बहुतायत जिले की लड़कियां भी यहां दक्ष होकर अच्छी खासी आमदनी कर रहीं हैं। दूसरी तरफ इसी गांव में शबाना के पिता कैफी आजमी के नाम पर बना गर्ल्स कालेज शिक्षा के क्षेत्र में अलग अलख जगा रहा है। कक्षा नौ से 12वीं तक की कक्षाएं यहां चलती हैं। तीन सौ से अधिक लड़कियां यहां ज्ञान अर्जित कर रहीं हैं। मेजवां के अलावा आस-पास की लड़कियां भी आती हैं। डिजिटल क्लासेज को लेकर यहां की छात्राओं में खासा उत्साह है। दूसरी तरफ

सिनेतारिका शबाना आजमी को आने को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह है। सभी का कहना है कि बिटिया के आने के बाद गांव रोशन हो जाता है। सिनेतारिका शबाना आजमी के आने का कार्यक्रम तय हो गया है। वह ९ अगस्त को मुंबई से आएंगी और १३ अगस्त को दोपहर में मुंबई के लिए प्रस्थान करेंगी। १० अगस्त को सुबह ११ बजे वह कैफी आजमी गर्ल्स इंटर कालेज में स्मार्ट क्लासेज का शुभारंभ करेंगी। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवाकांत द्विवेदी भी मौजूद रहेंगे।

रागिनी राय सभापति पद पर निर्विरोध निर्वाचित

वाराणसी, जिला सहकारी फेडरेशन लिमिटेड का चुनाव मंगलवार को गहमागहमी के बीच संपन्न हो गया। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी खेमे से जुड़े डा. अशोक राय की पत्नी रागिनी राय सभापति पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुई। उप सभापति पद पर सुरेंद्र कुमार सिंह भी निर्विरोध चुने गए। फेडरेशन के आठ प्रतिनिधि पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। एडीएम सिटी की कोर्ट में मंगलवार सुबह सभापति और उपसभापति के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। नामांकन, नाम वापसी व मतदान एक ही दिन होना था। इसी बीच भाजपा नेता जयनाथ मिश्र की पत्नी विभा मिश्र समर्थकों के साथ नामांकन करने पहुंचीं। आरोप है कि एडीएम सिटी आफिस के बाहर कुछ युवकों ने उन्हें घेर लिया। विभा जब तक

कुछ समझती, युवकों ने उनके हाथ से नामांकन पत्र छीनकर फाड़ दिया और भाग गए। इसे लेकर कलेक्ट्रेट में हंगामे के बाद पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश सिंह अलगू व जयनाथ मिश्र की अगुवाई में समर्थकों संग विभा बारिश के बीच एडीएम आफिस के बाहर धरने पर बैठ गई। नामांकन पत्र फाड़ने वाले युवकों की गिरफ्तारी और चुनाव स्थगित करने की मांग को लेकर समर्थकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। कलेक्ट्रेट में धरना-प्रदर्शन की सूचना पर कैंट समेत अन्य थानों की फोर्स एडीएम दफ्तर के बाहर पहुंच गई। निर्वाचन अधिकारी एडीएम सिटी वीरेंद्र पांडेय व एसपी सिटी दिनेश सिंह ने धरना दे रहे लोगों से दूसरा नामांकन पत्र लेकर भरने को कहा, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं हुआ। एडीएम ने चुनाव स्थगित करने की मांग ठुकरा दी। कहा कि जो भी आपत्ति हो उसे लिखित में दें। अधिकारियों के समझाने पर क्षुब्ध भाजपाजन धरना समाप्त कर चले गए।

मैजिक चालक की गोली मारकर हत्या

गड़वारा (प्रतापगढ़), अंतू थाना क्षेत्र के जैतीपुर कठार गांव में तस्करी के लिए मवेशी न ले जाने पर नकाबपोश ने मालवाहक मैजिक चालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जिला अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंतू थाना क्षेत्र के नरिया दुबान निवासी रामकृपाल दुबे (45) पुत्र पारसनाथ दुबे चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसने मालवाहक मैजिक खरीद रखा है। उसी को चलाकर परिवार का पालन पोषण करता था। वह जैतीपुर कठार निवासी वाहिद आदि के यहां दुधारू जानवरों को बेचने पर गंतव्य स्थान पर पहुंचाना था। मंगलवार को चंदिकन मेले में जानवरों को पहुंचाता था और वहां से खरीदे हुए जानवरों को वापस भी लाता था। वह सुबह ही घर से चाय नाश्ता करके निकल गया था। जैतीपुर कठार से जानवर लादकर चंदिकन मेले में गया था। दोपहर लगभग दो बजे जानवर लादकर जैतीपुर कठार में वाहिद के घर पहुंचाया। रामकृपाल शाम लगभग चार बजे मैजिक को धो रहा था। तभी एक व्यक्ति पहुंचा और उससे तस्करी के लिए जानवर लादने को कहा। इन्कार करने में दोनों में तकरार हुई। इसी बीच पहुंचे नकाबपोश दो लोगों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी।

सरकार के सकारात्मक कार्यों के बूते जीतेंगे २०१९-महेंद्र पांडेय

जौनपुर, केंद्र व प्रदेश सरकार के कार्यों की फेहरिस्त गिनाते हुए उत्साह से लबरेज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद डा.महेंद्र नाथ पांडेय ने दावा किया कि सरकार के इन्हीं सकारात्मक कार्यों के बूते पार्टी मिशन 2019 में पुनः ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। वे नगर स्थित एक होटल में पार्टी के काशी प्रांत की बैठक के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने मगहर, वाराणसी, मिर्जापुर, शाहजहांपुर में हाल ही में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन रैलियों में लगातार बढ़ती भीड़ आगामी चुनाव परिणाम का स्पष्ट संकेत है। विपक्षी गठबंधन से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हमें मुद्दा विहीन विपक्ष के गठबंधन की नहीं बल्कि जनता की परवाह है। इसीलिए हम लगातार जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को देख-समझकर उसके समाधान में जुटे हैं। प्रदेश में भारी मात्रा में हो रहे पूंजी निवेश को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। तीन तलाक के मुद्दे पर डा.पांडेय ने कहा

कि हम किसी भी वर्ग की महिला के नारकीय जीवन के कारणों की सख्त मुखालफत करते हैं। माफिया मुन्ना बजरंगी की जेल में हुई हत्या से जुड़े सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। कोई भी दोषी बच नहीं पाएगा। भाजपा के सहयोगी भासपा मुखिया ओम प्रकाश राजभर के बयानों की ओर ध्यान दिलाए जाने पर बड़े ही सधे अंदाज में कहा कि वे एक दल के मुखिया हैं, जरूरत के हिसाब से बोलते हैं लेकिन हमारे साथ मजबूती से हैं। काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेशचंद्र श्रीवास्तव भी रहे।

तमंचा सटाकर पिकअप लूट कर फरार हुए लुटेरे

संत कबीर नगर, मेहदावल थाना क्षेत्र के धौरापार गांव के पास से अज्ञात लुटेरों ने बोलेरो पिकअप गाड़ी रात 9.30 बजे उड़ा कर चंपत हो गए। लूट की सूचना मिलने पर मेहदावल व बखिरा पुलिस सकते में आ गई तत्काल घेराबंदी किया गया लेकिन लुटेरों का सुराग नहीं लग सका। पुलिस द्वारा कई स्थानों पर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। जानकारी मिली है कि लुटेरों ने वाहन लूट कर मेहदावल कैम्पियरगंज बीएमसीटी मार्ग की तरफ भाग निकले। उक्त सूचना वायरलेस सेट पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने करमैनी मेहदावल आदि स्थानों पर सघन चेकिंग शुरू करते हुए कैम्पियरगंज पुलिस को भी एलर्ट किया है। पिकअप ड्राइवर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि तीन लोगों ने बस्ती से पिकअप बुक कराते हुए मेहदावल से गल्ला खरीदने की बात कही। रात 8 बजे मेहदावल पहुंचने पर पिकअप में सवार युवकों ने गाड़ी घुमाने को कहा तथा धौरापर गांव के पास बौधरा बाबा के स्थान पर गाड़ी रोकवाते हुए तमंचा सटाकर वाहन लूट कर फरार हो गए। मेहदावल पुलिस उक्त घटना की छानबीन में जुटी है। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक आसित श्रीवास्तव ने भी पहुंच कर जायजा लिया है।

चालकों को अचेत कर ट्रकों को लूटने की कोशिश

चंदौली, सैयदराजा थाना क्षेत्र के नौबतपुर के पास एक होटल पर खड़े दो ट्रक चालकों को लूट की नीयत से आए अज्ञात बदमाशों ने कल सुबह स्प्रे मार कर अचेत कर दिया। बदमाश ट्रक में रखे सामान की तलाशी ले रहे थे कि खलासी के जागने पर भाग खड़े हुए। खलासी ने इसकी सूचना ट्रक मालिक को दी। अचेत चालकों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ट्रक मालिक की तहरीर पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई। गाजीपुर जिला निवासी चालक अरविंद (२५), धर्मेंद्र कुमार (३०) व खलासी सिप्पू पांडेय ट्रक पर बालू लादकर वाराणसी गए थे। दोनों ट्रक एक ही मालिक की है। ट्रक चालक बालू बेचने के बाद रात नौबतपुर लौट आए। पास के होटल में खाना खाने के बाद दोनों अपने-अपने ट्रक में सो गए। एक ट्रक में चालक के साथ खलासी ट्रक के ऊपरी हिस्से में सो गया। सुबह कुछ वाहन सवार बदमाशों ने ट्रकों के पास पहुंचकर सो रहे चालकों के मुंह पर नशीले केमिकल का स्प्रे कर दिया। इससे दोनों चालक अचेत हो गए। एक ट्रक में घुसकर बदमाश सामान की तलाशी लेने लगे। आवाज से खलासी की नींद खुल गई तो बदमाश ट्रक से कूदकर फरार हो गए। खलासी जब चालकों को जगाने लगा तो वे नहीं जागे। सूचना ट्रक मालिक कमलेश को दी। होश आने पर चालकों ने बताया कि ट्रक में बालू की बिक्री का पैसा था, लेकिन बदमाश खोज नहीं पाए।

बेहतर साफ-सफाई पर जिला अस्पताल की सराहना

अमेठी, जिले की नोडल अधिकारी कामिनी रतन चौहान ने गांव, शहर व अस्पताल तक का निरीक्षण किया। स्वच्छता पर उनका फोकस रहा तो जिले के अधिकारियों को और बेहतर करने की नसीहत भी दी। जिला अस्पताल में पहली बार किसी निरीक्षण में सबकुछ दुरुस्त मिला। हर दिन अलग-अलग रंग की बेड पर बिछाई जाने वाली चादरों ने तो जिले की नोडल अधिकारी अपनी ओर आकर्षित ही कर लिया। उन्होंने कहाकि उनकी कोशिश होगी कि सूबे के सभी अस्पतालों में यह व्यवस्था लागू हो। जिला अस्पताल सहित जिले के सभी अस्पतालों में यहां अलग-अलग दिन अलग-अलग रंग की चादर बेडों पर बिछाई जाती हैं, जिससे लोग आसानी से यह समझ सकते हैं कि आज चादर बदली गई है या नहीं। नोडल अधिकारी ने सबसे पहले जिले के बहादुरपुर ब्लाक के सराय महेशा गांव का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने गांव के सरकारी स्कूल पहुंच कर बच्चों से बात की और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के बाबत जानकारी ली। गांव से निकल कर वह सीधे जायस नगर पालिका के सैदाना मोहल्ले की मलिन बस्ती पहुंचीं। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री आवास की प्रगति

देखी और खामियों को दूर करने की नसीहत अधिकारियों को दी। साथ ही लाभार्थियों को शीघ्रता से दूसरी किस्त जारी करने को कहा। नगर पालिका परिषद कार्यालय का भी निरीक्षण किया और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही। निरीक्षण में डीएम शकुंतला गौतम, सीडीओ मनोज कुमार, एडीएम ईश्वर चंद्र, एएसपी बीसी दुबे, सीएमओ डा. आरएम श्रीवास्तव, एसडीएम अर्चना द्विवेदी, जिला अस्पताल के अधीक्षक डा. आरके सक्सेना, सीओ पीयूष कांत राय, नगर पालिका जायस के अध्यक्ष महेश कुमार सोनकर व कोतवाली प्रभारी रविंद्र सिंह सहित सभी विभागों के प्रमुख मौजूद रहे।

पनियरा के गुड्डू ने गोरखपुर के अरविंद को दिखाया आसमान

महराजगंज, नौतनवा ब्लाक क्षेत्र के ग्राम सभा लुठहवा में मंगलवार को सैनिकों एवं पूर्व सैनिको द्वारा आयोजित दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों ने रोमांचक कुश्ती कला का बेहतरीन नमूना पेश कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। इस दौरान कुल 21 जोड़ी पहलवानों ने अखाड़े में अपना दमखम दिखाया। क्षेत्र के लुठहवा गांव में आयोजित इस दंगल प्रतियोगिता को देखने के लिए क्षेत्रीय नागरिकों में सुबह से ही गजब का उत्साह देखने को मिला। दंगल को देखने के लिए नेपाल से भी बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी आए हुए थे। खेल का शुभारंभ मुख्य अतिथि गोरखा समाज के जिलाध्यक्ष व पूर्व सैनिक मनोज राना एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी महेंद्र यादव ने पहलवानों से हाथ मिलाकर

किया। कुश्ती प्रतियोगिता में पक्की बाग, गोरखपुर, मुजुरी, पनियरा, नौतनवा एवं सोनौली के पहलवानों ने अपने प्रतिद्वदियों को चित्त करने के लिए खूब जोर-आजमाइश किया। प्रतियोगिता की सबसे रोमांचक कुश्ती पनियरा के गुड्डू यादव और गोरखपुर के अरविंद के बीच हुई, जिसमे गुड्डू ने अरविंद को चित्त कर दिया। जबकि अंतिम कुश्ती महराजगंज के जितेंद्र और गोरखपुर के मनीष कुमार के बीच हुई। जिसमें जितेंद्र ने अपने प्रतिद्वदी मनीष को अपने रोमांचक दांव से पटखनी दे दी। कार्यक्रम के अंत में विजई पहलवानों को पुरस्कृत भी किया गया। कुश्ती प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका में शिवपूजन यादव एवं जगदीश रहे एवं संचालन महेश सिंह ने किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मनोज राना ने कहा कि कुश्ती जमीन से जुड़ा खेल है।

बिजेथुआ हनुमान मन्दिर में उमड़े श्रद्धालु

कादीपुर (सुल्तानपुर), सूरापुर बाजार से सटे बिजेथुआ हनुमान मन्दिर पर मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अव्यस्था के चलते उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कादीपुर कस्बे से लगभग 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिजेथुआ हनुमान धाम का ऐतिहासिक महत्व है। यहां श्रीराम भक्त हनुमान जी ने

कालनेमि नामक राक्षस का वध किया था। ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व के चलते यहां दूरदराज के श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। मंगलवार मेले में हजारों दर्शनार्थियों ने दर्शन कर मेले का आनन्द लिया। परिसर में गन्दगी का साम्राज्य रहा। बैठने वाले चबूतरे टूटे पड़े हैं व गन्दगी के चलते मेलार्थी इधर उधर भटकते नजर आए। विजेथुआ मन्दिर की जमीन व परिसर में नाजायज तौर पर कब्जे भी हो गए हैं जिसपर स्थानीय प्रशासन भी ध्यान नहीं दे रहा है । अव्यवस्था का आलम तो यह है कि दर्शन करने के पूर्व महिला पुरुष मन्दिर के बगल स्थित मकरीकुन्ड में स्नान करते हैं व कुन्ड के बगल महिलाओं के लिए बने कपड़ा बदलने के कमरे में कचरा व गन्दगी भरा पड़ा है । जिसके चलते महिलाएं बाहर ही कपड़े बदलने पर मजबूर हैं। यहां पर मेला क्षेत्र के नाम से 8 बिस्वा जमीन मेला के नाम से सुरक्षित है पर उसपर भी अवैध कब्जे हैं ।

धोखा देने की राजनीति कर रही केंद्र व प्रदेश की सरकार-रामगोविंद

मनियर (बलिया), केंद्र व प्रदेश की सरकार बहलाने फुसलाने वह धोखा देने की राजनीति कर रही है। उक्त बातें समाजवादी पार्टी के बांसडीह विधानसभा क्षेत्र के विधायक व नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने मनियर बस स्टैंड स्थित गांधी आश्रम के प्रांगण में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार सबको साथ लेकर सबका विकास किया। किसी धर्म या मजहब के साथ भेदभाव नहीं किया। कहा कि ईद, मुहर्रम के साथ-साथ रामनवमी, होली, दीवाली जैसे महत्वपूर्ण पर्व त्योहारों पर हमारी सरकार ने भरपूर बिजली दी। कहा कि वर्तमान सरकार के नेता राम मंदिर बनवाने के नाम पर राजनीति करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि झूठी सरकार को 2019 के चुनाव में उखाड़ फेंकने का काम करें। इस मौके पर रवींद्र सिंह, डा.जगदीश प्रसाद, कंचन यादव, शिवनारायण राय, रामदेव यादव, विजय चौधरी, एजाज अहमद, अजय सिंह, जयराम, पूर्व चेयरमैन प्रदीप गुप्त आदि ने विचार रखे। संचालन प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष जगमोहन यादव ने किया।

ग्रामीणों में बांटी गई निःशुल्क दवाइयां

अनपरा (सोनभद्र), एनटीपीसी की रिहंद परियोजना के धनवंतरि चिकित्सालय एवं सीएसआर विभाग द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व निर्वहन कार्यक्रम के तहत परियोजना के समीपवर्ती ग्राम डोड़हर के प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को ग्रामीणों की स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा दिया गया। डोड़हर तथा आस-पास के लोगों ने भी चिकित्सकों से अपने-अपने स्वास्थ्य की जांच कराकर एवं आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयां ली। कार्यक्रम के दौरान एनटीपीसी रिहंद परियोजना के धनवंतरि चिकित्सालय के चिकित्सक डा. राजीव रंजन रमन ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर आवश्यक दवाएं दी। इसके अतिरिक्त अन्य समस्याएं जैसे ब्लड प्रेशर, सुगर, ईसीजी की जांच शिविर में ही की गई तथा त्वरित रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन सीएसआर विभाग के उप महाप्रबंधक एसपी गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीएमओ डा. कृष्णा मल्ल, अपर महाप्रबंधक केएस मूर्ति आदि के साथ-साथ गांव के अन्य संभ्रांत नागरिक उपस्थित थे।

कुंडेसर गोली कांड से बृजेश व त्रिभुवन दोष मुक्त

गाजीपुर, बहुचर्चित कुंडेसर गोली कांड में आरोपित बनाए गए बाहुबली बृजेश सिंह व त्रिभुवन सिंह को अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय अवध बिहारी सिंह की अदालत ने मंगलवार को साक्ष्य के अभाव में दोष मुक्त कर दिया। दोनों अरोपितों को बारी-बारी से न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस दौरान परिसर व बाहर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मुहम्मदाबाद के पूर्व विधायक अफजाल अंसारी के वाहन से अताउर्रहमान अपने साथियों के साथ भांवरकोल में दो मई 1991 में चुनाव प्रचार कर लौट रहे थे। रात साढ़े नौ बजे के करीब कुंडेसर चट्टी पर उनकी गाड़ी बंद हो गई। उसी दौरान उजियार घाट के तरफ से एक सफेद रंग की मारुति वैन आकर प्रचार वाहन के पास रुकी और उसमें सवार लोग ताबड़तोड़ गोलियां दागने लगे जिससे भगदड़ मच गई। इस दौरान झिंगुरी साहू, सुरेंद्र राय व कमला सिंह को गोलियां जा लगीं। इस घटना में झिंगुरी साहू व सुरेंद्र राय की तो मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि उपचार के लिए ले जाए जा

रहे कमला सिंह ने रास्ते में दम तोड़ दिया था। इस मामले में अताउर्रहमान ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। घटना के एक माह बाद रामजीत यादव व नर्वदेश्वर राय ने घटना की विवेचना कर रहे पुलिस को त्रिभुवन सिंह व बृजेश सिंह का शामिल होना बताया था। इस आधार पर विवेचक ने दोनों का नाम इस घटना में शामिल करते हुए कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। करीब 22 वर्ष बाद रामजीत व नर्वदेश्वर ने न्यायालय में दोनों आरोपितों को पहचानने से इन्कार कर दिया। इस मामले में अभियोजन की ओर से पेश किए गए सात गवाह पक्षद्रोही हो गए जिससे साक्ष्य के अभाव में न्यायालय ने दोनों आरोपितों को दोषमुक्त कर दिया।

दशरथ की मौत के लिए पुलिस जिम्मेदार-अवधेश

फैजाबाद, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व मंत्री अवधेशप्रसाद ने कोटवा-इनायतनगर निवासी दशरथ पासी की मौत के लिए पुलिस को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि हालत नाजुक होने पर जेल प्रशासन ने इलाज के लिए उसे जिला चिकित्सालय भेजा। जिला चिकित्सालय के डाक्टरों ने इलाज न कर मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर कर दिया। वहां भी उसे भर्ती न कर वापस भेज दिया गया। जिला चिकित्सालय में भर्ती किए जाने के बाद सोमवार को उसने दम तोड़ दिया। पूर्व मंत्री पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले इनायतनगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि रात करीब 10 बजे जेसीबी से करीब 10 फीट से ज्यादा गहरा गड्ढा खुदवा कर उसी के गांव के किनारे पुलिस की मौजूदगी में उसे दफना दिया गया। वह रात में जब उस स्थल पर पहुंचे

तो दशरथ के पिता, मां व उसकी दो बहनें शव दिखाने के लिए चिल्ला रहीं थीं। शव न दिखाने का आरोप लगा रही थीं। पुलिस पर मौत का इल्जाम लगा रही थीं। परिवारीजनों को चुप रहने के लिए पुलिस पर उन्हें पीटने का आरोप लगाया। चोट के निशान भी दिखाये। पूर्व मंत्री ने एसएसपी से दशरथ पासी के पिता से तहरीर लेकर पुलिस कर्मियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने आरोपी पुलिस कर्मियों को निलंबित करने एवं 25 लाख रुपए पीड़ित परिवार को मुआवजा दिए जाने की मांग की। एमएलसी लीलावती कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था इतनी बिगड़ गई है कि बागपत जेल में बंदी की हत्या कर दी जाती है। पुलिस अभिरक्षा में गिरफ्तार युवक दशरथ की मौत भी बदतर कानून-व्यवस्था का उन्होंने सबूत बताया। दोनों नेता पीड़ित परिवार से मिलने कल उसके गांव गए।

कामधेनु से कम नहीं है यह गाय, बगैर बच्चा दिए ही एक वर्ष से दे रही है दूध

भदोही, डीघ ब्लाक क्षेत्र के कौलापुर गांव निवासी हौसिला प्रसाद दुबे उर्फ खदेरू गुरु की गाय कुदरत का करिश्मा ही है। बगैर बच्चा दिए ही एक वर्ष से अनवरत दूध दे रही गाय पूरे परिवार के लिए कामधेनु बनी हुई है। आज के इस वैज्ञानिक युग में ट्रीटमेंट के जरिए इसे संभव तो माना जा रहा है लेकिन, जब बात आती है बगैर किसी उपचार के दूध देने की तो पशु चिकित्सक भी कुछ कह पाने की स्थिति में नहीं दिखते। दरअसल, हौसिला प्रसाद दुबे ने एक गाय पाल रखी थी। करीब पांच वर्ष पूर्व जब उसने एक बछिया को जन्म दिया तो पूरा परिवार खुश हो उठा कि चलो एक और गाय तैयार हो जाएगी। परिवार के सभी सदस्य उसकी सेवा करने में जुट गए। धीरे-धीरे जब ढाई से तीन वर्ष का समय व्यतीत हुआ तो गर्भाधान के कई प्रयास के बाद भी वह गर्भधारण नहीं कर सकी। पूरे परिवार में निराशा घर कर गई कि

उसके साथ तीन वर्ष तक की गई सारी मेहनत बेकार हो चुकी है। लोग उसे हटाने-बढ़ाने की चर्चा शुरू कर चुके थे कि अचानक करीब वर्ष भर पहले उसके थन में बदलाव होने लगा। उत्सुकतावश जब उसके थन पर हाथ लगाया गया तो दूध निकल आया। फिर क्या था वह एक बार फिर से पूरे परिवार के लिए चहेती कामधेनु बन गई। दोनों समय दो-दो लीटर दूध पाकर परिवार आज खुशी से फूला नहीं समाता। पशु चिकित्सक डा. आरबी मौर्य ने बताया कि ट्रीटमेंट के जरिए ऐसा संभव है। जब कोई गाय गर्भधारण करने लायक हो जाती है और किसी कारणवश बांझ निकल जाती है तो उसका उपचार किया जाता है। वह बगैर बच्चा जने दूध देने लगती है। उनके द्वारा भी कई ऐसे केस हैंडिल किए गए हैं। मगर इस मामले में संभव है कि शरीर के अंदर प्राकृतिक रूप से हार्मोन इसके लिए उत्प्रेरक का कारण हो।

सचिन विस्तार में बिमारियों को सूडा की तरफ से खुला आमंत्रण?

सूरत। सचिन विस्तार में ऐसा लगता है कि सफाई अभियान के नाम पर कचरा संग्रह किया जा रहा हो इस तरह का तालाब बन गया है जहां एक तरफ सफाई अभियान के नाम पर लोखों रुपए खर्च किए जा रहे है, वहीं सचिन सुड़ा सेक्टर 3 में खुली जगह में पानी भने से आसपास के लोग इस तरह गंदगी के ढेर लगा कर रखे है। जिससे वहा रहने वाले लोग बीमार पड़ जाते है, और डॉक्टर के लिए आमदनी का जरिया बनाया जा रहा है। गंदगी के पास में ही स्कुल होने के बावजूद भी बच्चों के स्वास्थय के साथ खिलवाड़ हो रहा है। पानी भरने से पास ही गैर कानूनी तौर पर खड़ी की गई बिल्डिंगों की नीव भी कमजोर होकर गिरने की आशंका वहां रहने वाले लोगों द्वारा जताई गई है। तस्वीरों में दिखाई देता स्वच्छ भारत मिशन, एक कदम स्वच्छता की और।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल वापस ली गई

अहमदाबाद । सफाई कर्मचारियों के वारिसदारों को नौकरी सहित की विभिन्न १६ पेन्डिग मागों को लेकर शहर के १५ हजार सफाई कर्मचारियों ने पिछले तीन दिन से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये । हालांकि बुधवार को म्युनिसिपल कमिशनर विजय नेहरा और नौकरीमंडल के पदाधिकारियों के बीच आयोजित हुई समाधानकारी बैठक के अंत में सत्तातंत्र की तरफ से संतोषजनक आश्वासन दिए जाने पर नौकरीमंडल ने सफाई कर्मचारियों की हड़ताल वापस लेने के निर्णय की आधिकारिक घोषणा की गई थी । पिछले तीन दिन से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल वापस लेने से अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन प्रशासन के साथ-साथ शहर के लाखों नागरिकों ने राहत महसूस किया है। नौकरीमंडल के पदाधिकारियों और सफाई कर्मचारियों ने शहर को फिर से स्वच्छ बनाने का उद्देश्य लेकर कार्यरत करने की घोषणा की गई थी । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पिछले तीन दिन से चल रही थी । अधिकतर कर्मचारियों ने हड़ताल रखकर मुंडन कराकर अनूठा विरोध दर्ज कराया था । हालांकि गत दिन हड़ताल के दौरान सफाई कर्मचारियों ने मर्यादा पार करके शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक मार्गों पर गंदा कचरे डालकर गंदगी फैलाने का गंभीर अपराध किया था।

कांग्रेसी महिला पदाधिकारीओं ने आरोपी जयंति भानुशाली को गिरफ्तार करने की मांग की

सूरत: प्रेस कॉन्फ्रेन्स में फेशन डिजाइनर पर हुये बलात्कार प्रकरण में भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष जयंति भानुशाली को तात्कालिक गिरफ्तार किये जाने की मांग की गई और पुलिस को इस मामले में निष्पक्ष जांच करनी चाहिए,

युवती मानों आरोपी हो इस तरह पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। जबकि कॉर्पोरेटर दिनेश काछडिया के सीडी कांड में भोग बननेवाली युवती की संलिप्तता होने के संदर्भ में पूछे जाने पर कांग्रेस की अग्रणी और महिला प्रमुख ने इस संदर्भ में कोमेन्ट करने से मना कर दिया। जबकि बाजपा नेताने ऐसा आक्षेप किया है कि कांग्रेस फायनान्स करके भाजपा को बदनाम कर रही है जिसका कांग्रेस महिला प्रमुख कडा जवाब देते हुये कहा कि भाजपा के नेता संलिप्त हो तब अपने नेताओं की चमडी बचाने के लिए फर्जी आक्षेप किये जाते हं। किस लिए दबाव खडा करते हो? जांच होने दो दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा।

जयंति भानुशाली के खिलाफ हुई दुष्कर्म की शिकायत में अब सूरत महिला कांग्रेस मैदान में आ गई हो इस तरह भाजपा नेता के खिलाफ कडी कार्यवाही करते हुये गिरफ्तार करने की मांग कर रही है। कांग्रेस की महिलाओं ने आगे कहा कि यदि पन्द्रह दिन के भीतर गिरफ्ता कर योग्य जांच नहीं की जायेगी तो महिलाओं के हित में वे आंदोलन भी करेंगी। साथ ही भाजपा पर कडे प्रहार करते हुये कांग्रेसी महिलाओं ने बताया कि स्त्री सशक्तिकरण की बात करनेवाले भाजपा के राज में महिलायें शिकायत करती है तो उनकी शिकायत नहीं ली जाती। जो शर्मजनक बात है।

महिला सुरक्षा के कडे कानून होने के बावजूद बलात्कार के मामले में दिन प्रतिदिन बढते जा रहे हैं। सरकार ने संसद में दी जानकारी के अनुसार वर्ष 2014 से 2016 तक देश में बलात्कार के 1.10 लाख से अधिक मामले दर्ज हुये हैं। जबकि गुजरात में 13754 महिला लापता हुई हैं और उसमें 1887 बलात्कार के मामले दर्ज हुये हैं।

हलांकि सूरत में बलात्कार के आंकडो के बारे में पूछे जाने पर उनके पास जवाह नहीं था। कांग्रेस महिला प्रमुख ने महिला पर होने वाले बलात्कार के संदर्भ में कांग्रेस महिलाओं के साथ होने की बात कही। लेकिन सूरत में अब तक महिलाओं पर हुये बलात्कार के एक भी मामले में कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता या नेता सामने नहीं आये। अब मामला राजनीतिक होने से कांग्रेस उसका विरोध कर रही है। अतिरिक्त में महिला प्रमुख ने कहा कि 15 दिन के भीतर यदि गिरफ्तारी नहीं की जाती है तो हम आगे की रणनीति तय करेंगे।

सूरत शहर महिला कांग्रेस कमेटी के पास देशभर में हुये बलात्कार के आंकडो सहित गुजरात में महिलाओं के लापता होने की जानकारी थी। लेकिन स्वयं अपने शहर में हुये बलात्कार के मामलों की कोई जानकारी नहीं थी। इसके अलावा बलात्कार का भोग बनी युवती से कांग्रेस की महिला प्रमुख नहीं मिली और उससे मिलकर जानकारी लिये बिना प्रेस कॉन्फ्रेन्स संबोधित की। वास्तव में तो महिला प्रमुख को पहले युवती की आपबीती जाननी चाहिए कि उसके साथ क्या-क्या हुआ? सारी जानकारी लेनी चाहिए थी।

सूरत। डिंडोली करवाडा रोड़ पर गटर का ढक्कन टुटने से वहां पर बारिश के कारण कभी भी दुर्घटना हो सकती है लेकिन सूडा के अधिकारी यहां पर दुर्घटना होने की राह या कुछ और पता नहीं क्योंकि पिछले कई महिनों से टुटे ढक्कन के साथ सड़क में बने इस गढे में गिरने से किसी भी व्यक्ति की जान को आफत हो सकती है।

सूदखोरी के मामले में गुजराती डिरेक्टर को शिकार बनाया गया

अहमदाबाद । गुजरात में गरीब किसानों के बाद सूदखोर के आतंक से बडौदा में एक गुजराती फिल्म डिरेक्टर को शिकार बनाया गया है । बडौदा शहर में गुजराती फिल्म स्माइल कीलर के डिरेक्टर ने गले में फांसी लगाकर आत्महत्या करने से भारी सनसनी मच गई है। विशेष करके गुजराती फिल्म उद्योग में इस घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। गुजराती फिल्म डिरेक्टर हितेश परमार ने सूदखोर के आतंक से परेशान होकर आत्महत्या किया हो यह जानकारी सामने आने पर सूदखोर के मामले पर चर्चा ज्यादा होने लगी है।

सूदखोर के आतंक से आत्महत्या करने की चिट्ठी मिलने पर पुलिस ने इसके आधार पर पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है।

नदी में फेके पुत्र का मृतदेह विकृत हालत में 10 दिन बाद मिला

सूरत: बारडोली वणेसा गांव के निशित ने सगे पुत्र को नदी में फेक दिया था। इस घटना में 10 दिन तक पुलिस और फायरब्रिगेड द्वारा जांच की गई। ऐसे में 10वें दिन मरोली समीप मींढाडा नदी में पानी का स्तर कम होने से बालक नीव का मृतदेह विकृत हालत में मिला। जिसका पुलिस ने कब्जा लेकर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

नीव प्रकरण में पिता निशित पुलिस के समक्ष वारंवार निवेदन बल रहे होने से ऐसी भी आशंका चल रही थी कि उसने बालक को नदी में फेका ही नही होगा हलांकि मृतदेह मिलने से तमाम आशंकाओं का अंत आ गया है। निशित के पास से तीन बार पुलिस ने घटना का रिकन्स्ट्रक्शन भी कराया था। फायर ब्रिगेड द्वारा मींढोडा नदी के आसपास के खेत से लेकर दरिया तक जांच की गई। जिसमें अंत में मरोली समीप मींढोडा नदी किनारे रेलवे ब्रिज समीप से मासूम बालक नीव का विकृत हालत में मृतदेह मिला।

पिछले दस दिन से बारडोली में नीव की चर्चा चल रही है। आरोपी निशित नीव को नादी में फेक देने की बात पर अडग था। जिससे पुलिस भी नीव को खोजने के लिए मींढोडा नदी में फायर ब्रिगेड की टीम के साथ खोज कर रही थी। जिसमें नीव की खोजबिन कर रही टीम दरिया के समीप पहुंच गई थी। जिस दिन नीव को नदी में फेका गया था उस दिन फिलहाल की अपेक्षा नदी का स्तर 10 से 12 फुट अधिक था और इस दौरान नदी के पानी किनारे स्थित गन्ने के खेत और अन्य फसलों के खेत में भी पानी घूस गया था। जिससे नीव सुनिश्चित किस दिशा में गया होगा यह जाना नही जा सका था। जिससे टीम ने आसपास के खेत में जाकर भी जांच की थी। हलांकि नीव का पता चलने से फायर ब्रिगेड की कार्यवाही प्रशंसनीय कही जायेगी।

दो वर्ष की सजा बाद हार्दिक आक्रामक मूड में दिखे

अब आरपार की लड़ाई लड़ी जाएगी : हार्दिक

अहमदाबाद । विसनगर कोर्ट ने तोड़फोड़ और हिंसा केस में हार्दिक पटेल को दोषी ठहराकर दो वर्ष की सजा बुधवार को सुनायी गई । हालांकि इसे जमानत भी दिया गया। जमानत मिलने के बाद हार्दिक पटेल ने मीडिया के साथ बातचीत करके भाजपा सरकार पर फिर से निशाना साधा है ।

हार्दिक ने यह कहा है कि, २५ अगस्त को अनिश्चितकालीन उपवास पर जाने की उनकी योजना कायम है । यह उपवास ऐतिहासिक बनेगा । बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे । हार्दिक ने यह भी कहा है कि, सरकार के विरूद्ध उनकी लड़ाई जारी रहेगी । हार्दिक ने यह कहा है कि, सरकार अंग्रेज बनेगी तो उनको भगतसिंह बनने में आपत्ति नहीं है। चुनाव के संदर्भ में कहा है कि, जरूरत होगी तो चुनाव भी लड़ेगा । उपवास के लिए अहमदाबाद में मंजूरी मांगी गई है । हार्दिक ने कहा है कि, सत्तापक्ष भाजपा यह मानता हो कि, हार्दिक को जेल में भेजना है लेकिन हार्दिक आंदोलन शुरू किया तब से लड़ाई के इरादे के साथ मैदान में उतरे है ।

पाटीदार आरक्षण आंदोलन के नेता हार्दिक ने कहा है कि, भाजपा सच्चाई किसानों, युवाओं और गरीबों के लिए लड़ाई चलाने से इसे रोक नहीं सकेगा। विसनगर कोर्ट के फैसले के बाद इस प्रकार की प्रतिक्रिया दी थी। फैसले के बाद हार्दिक ने कहा है कि, सामाजिक न्याय और अधिकारों के लिए उसकी लड़ाई जारी रहेगी । आरपार की लड़ाई लड़ने की हार्दिक ने बात की थी । हार्दिक ने यह भी कहा है कि, सरकार को जो करना है वो करे । जो सजा दी है इसके डरते नहीं है। न्याय के लिए ऊपरी कोर्ट में जायेंगे । सजा का डर बताने से वह नहीं डरेंगे । अंतिम आरपार की लड़ाई में न्याय अब लेने का प्रयास किया जाएगा । यह लड़ाई व्यक्ति की नहीं है विचार के साथ की लड़ाई है। हार्दिक ने चुनाव लड़ने के लिए तैयारी भी बतायी है। कई पेशकश कोर्ट में की थी लेकिन जनतंत्र की हत्या की जा रही हो ऐसा दिखाई दे रहा है । शिकायत में हार्दिक पटेल, विसनगर का उल्लेख है। जांच में इस अनुसार हुआ है। मैं और लालजी कार्यक्रम पूरा करके निकल गये थे । घटना बाद में होने का उल्लेख है फिर भी स्थिति बदली हुई दिखाई दे रही है। अनिश्चितकालीन उपवास का कार्यक्रम कायम रहेगा । घर बैठे रहे यह उनके स्वभाव में नहीं है।

कर्णावती क्लब से एयरपोर्ट तक शटल सर्विस घाटे में

अहमदाबाद । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए गत दिसम्बर, २०१७ से शहर के एसजी हाईवे पर स्थित कर्णावती क्लब से एयरपोर्ट तक शटल सर्विस घाटा का साबित हुआ है । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन प्रशासन के सार्वजनिक परिवहन सेवा की एएमटीएस और बीआरटीएस यह दोनों संस्था घाटे में चली गई यह प्रकार की शटल सर्विस से आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। फिर भी एयरपोर्ट को कनेक्ट करती यह शटल सर्विस का यात्री लाभ लेते है फिर भी कुछ कारणों से इसे चलायी जा रही है । इतना ही नहीं एयरपोर्ट की यह शटल बस को कर्णावती क्लब से एयरपोर्ट तक स्थायी स्तर पर चलाने की दरखास्त रखी गई है, जिसकी वजह से एक नया विवाद पैदा हो गया है। गत २१ दिसम्बर, २०१७ से रूट नंबर १००० कर्णावती क्लब से एयरपोर्ट वाया इस्कोन, नेहरूनगर, गुजरात कॉलेज, नटराज सिनेमा, इन्कमटैक्स, वाडज, सुभाषब्रिज सर्कल, शाहीबाग, अंडरब्रिज, केम्प हनुमानजी शटल सर्विस को वास्तव में तो तीन महीने के प्रायोगिक स्तर पर चलाने की प्रारंभिक मंजूरी दी गई थी। यह शटल सर्विस में कुल छह बस रूट में रखी गई है और यह सभी छह बस के दिनभर के कुल सिर्फ ४५० से ५०० पैसेन्जर होने के बावजूद भी प्रशासन को औसत आय सिर्फ १५ हजार रुपये की होती है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com